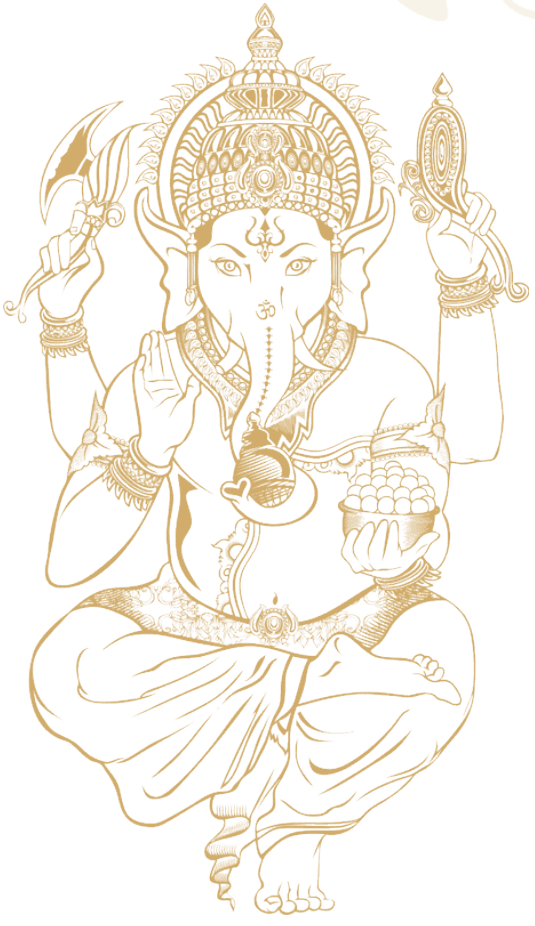

Yohana Arora

01 Nov 2019

07:02 AM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121502803

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**01/11/2019**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**07:02:00 घंटे**
इष्ट	01:05:44 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	06:38:32 घंटे
वेलान्तर	00:16:27 घंटे
साम्पातिक काल	09:18:46 घंटे
सूर्योदय	06:35:42 घंटे
सूर्यास्त	17:38:17 घंटे
दिनमान	11:02:35 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	14:11:52 तुला
लग्न के अंश	19:01:57 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	अतिगण्ड
करण	बव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगिता
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृश्चिक

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	19:01:57	307:45:37	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			तुला	14:11:52	01:00:01	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	नीच राशि
चंद्र			धनु	05:15:58	13:11:29	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			कन्या	23:55:23	00:39:06	चित्रा	1	14	बुध	मंगल	मंगल	शत्रु राशि
बुध	व		वृश्चि	03:29:50	00:03:27	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
गुरु			वृश्चि	29:14:09	00:11:31	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	मित्र राशि
शुक्र			वृश्चि	04:53:37	01:14:34	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	सम राशि
शनि			धनु	21:18:27	00:04:03	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
राहु	व		मिथु	16:11:08	00:01:22	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	16:11:08	00:01:22	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष	व		मेष	10:19:37	00:02:28	अश्विनी	4	1	मंगल	केतु	शनि	---
नेप	व		कुंभ	21:59:29	00:00:51	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	26:42:31	00:00:51	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
दशम भाव			कर्क	23:06:43	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:44

लग्न-चलित

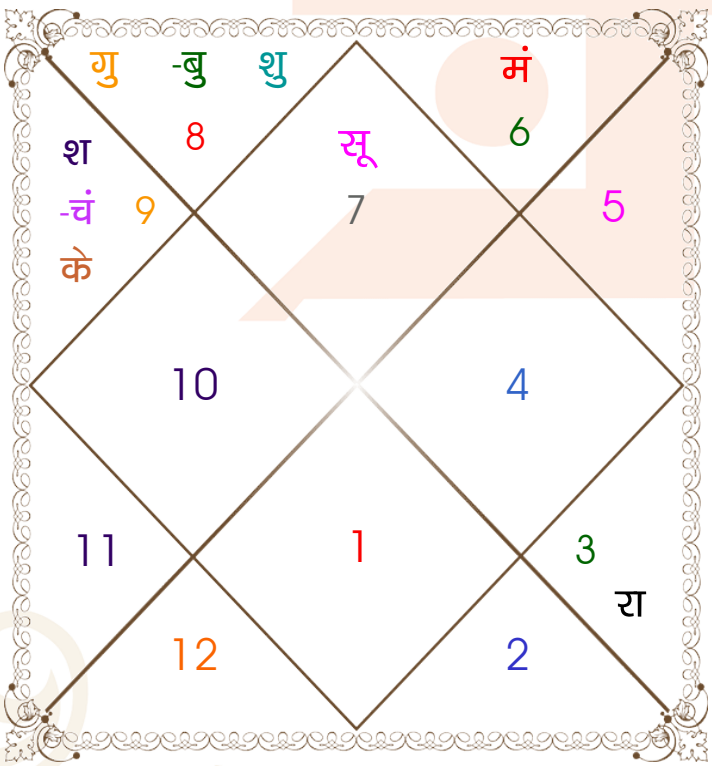

चन्द्र कुंडली

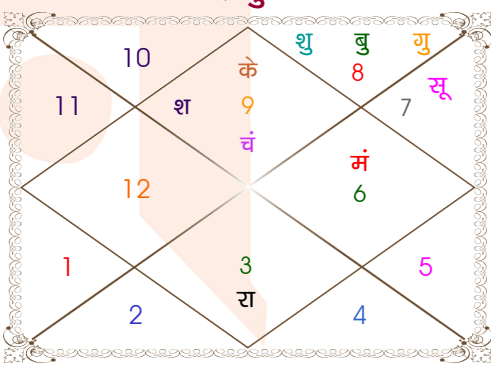

नवमांश कुंडली

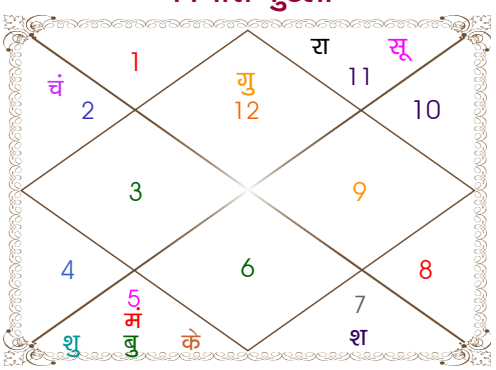

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 2 मास 25 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
01/11/2019		26/01/2024		26/01/2044		25/01/2050		26/01/2060	
26/01/2024		26/01/2044		25/01/2050		26/01/2060		25/01/2067	
	00/00/0000	शुक्र	27/05/2027	सूर्य	14/05/2044	चंद्र	26/11/2050	मंगल	23/06/2060
	00/00/0000	सूर्य	26/05/2028	चंद्र	13/11/2044	मंगल	27/06/2051	राहु	11/07/2061
	00/00/0000	चंद्र	25/01/2030	मंगल	21/03/2045	राहु	26/12/2052	गुरु	17/06/2062
	01/11/2019	मंगल	27/03/2031	राहु	12/02/2046	गुरु	27/04/2054	शनि	27/07/2063
मंगल	26/12/2019	राहु	27/03/2034	गुरु	02/12/2046	शनि	26/11/2055	बुध	23/07/2064
राहु	13/01/2021	गुरु	25/11/2036	शनि	14/11/2047	बुध	26/04/2057	केतु	19/12/2064
गुरु	20/12/2021	शनि	26/01/2040	बुध	19/09/2048	केतु	25/11/2057	शुक्र	19/02/2066
शनि	29/01/2023	बुध	26/11/2042	केतु	25/01/2049	शुक्र	27/07/2059	सूर्य	26/06/2066
बुध	26/01/2024	केतु	26/01/2044	शुक्र	25/01/2050	सूर्य	26/01/2060	चंद्र	25/01/2067

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
25/01/2067		25/01/2085		26/01/2101		27/01/2120		26/01/2137	
25/01/2085		26/01/2101		27/01/2120		26/01/2137		00/00/0000	
राहु	08/10/2069	गुरु	15/03/2087	शनि	30/01/2104	बुध	24/06/2122	केतु	24/06/2137
गुरु	02/03/2072	शनि	25/09/2089	बुध	09/10/2106	केतु	22/06/2123	शुक्र	24/08/2138
शनि	07/01/2075	बुध	01/01/2092	केतु	18/11/2107	शुक्र	21/04/2126	सूर्य	30/12/2138
बुध	27/07/2077	केतु	07/12/2092	शुक्र	17/01/2111	सूर्य	26/02/2127	चंद्र	31/07/2139
केतु	14/08/2078	शुक्र	08/08/2095	सूर्य	30/12/2111	चंद्र	27/07/2128	मंगल	02/11/2139
शुक्र	14/08/2081	सूर्य	26/05/2096	चंद्र	31/07/2113	मंगल	25/07/2129		00/00/0000
सूर्य	09/07/2082	चंद्र	25/09/2097	मंगल	08/09/2114	राहु	11/02/2132		00/00/0000
चंद्र	07/01/2084	मंगल	01/09/2098	राहु	15/07/2117	गुरु	19/05/2134		00/00/0000
मंगल	25/01/2085	राहु	26/01/2101	गुरु	27/01/2120	शनि	26/01/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 3 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाली होंगी। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाली होंगी।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपति का अर्जन करेंगी तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगी तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगी। आप अपनी फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगी तो अनुकूल रहेंगी। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना की प्राणी होंगी। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगी। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगी। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान की माता होंगी। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपको अपने जीवन संगी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पति प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि के जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपके पति कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय के हुए तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगे।

परंतु यदि आपके साथी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपने पति से विद्वेष नहीं करेंगी।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपके पति बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देंगे। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएंगी। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगी।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। अस्तु आपको इसके विरूद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगी। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकती हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके

अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।